

पशुचर्या स्त्री. (तत्.) 1. पशु अथवा जानवर का व्यवहार 2. पशु के समान (विवेकहीन) आचरण 3. पशुओं की सेवा, देखभाल।

पशुजीवी वि. (तत्.) 1. पशु या पशुओं पर आधारित होकर जीविका चलाने वाला 2. पशुओं का मांस खाकर जीने वाला 3. पशु-पालन से प्राप्त होने वाली वस्तुओं से अपनी जीविका चलाने वाला।

पशुता स्त्री. (तत्.) 1. पशु-भाव, पशु का-सा स्वभाव 2. मूर्खता, विवेकशून्यता।

पशुत्व पुं. (तत्.) दे. पशुता।

पशुघ्न वि. (तत्.) पशुओं का वध करने वाला।

पांचक पुं. (तद्.) पंचक।

पांचकपाल वि. (तद्.) पंचक पाल संबंधी।

पांचजनी स्त्री. (तत्.) भागवत के अनुसार पंचजन नामक प्रजापति की असिकी नामक कन्या का दूसरा नाम।

पांचजन्य पुं. (तत्.) 1. पंचजन राक्षस का वह शंख जिसे भगवान कृष्ण ले गए थे और स्वयं बजाया करते थे 2. विष्णु के शंख का नाम 3. जंबू द्वीप का नाम।

पांचदश पुं. (तत्.) पंद्रह की संख्या।

पांचनद पुं. (तत्.) पंचनद या पंजाब संबंधी पु. 1. पंजाब का निवासी 2. पंजाब।

पांचाल वि. (तत्.) 1. पांचाल देश से संबंध रखने वाला, पांचाल का 2. पांचाल देश में होने वाला पुं. 1. पांचाल जाति के लोगों का देश जो भारत के पश्चिमोत्तर खंड में था 2. पांचाल जाति के लोग 3. प्राचीन भारत में बड़ड़्यों, नाइयों, जुलाहों, धोबियों और दलितों- इन पाँच वर्गों का समूह।

पांचालक वि. (तत्.) पांचालवासियों से संबंधित पुं. (तत्.) पांचाल देश का राजा।

पांचाली स्त्री. (तत्.) 1. पांचाल देश की स्त्री 2. महाभारत में पाँचों पांडवों की पत्नी जो पांचाल देश की राजकुमारी थी 3. साहित्यिक रचनाओं की एक विशिष्ट रीति या शैली जो मुख्यतः

माधुर्य सुकुमारता आदि गुणों से युक्त होती है 4. संगीत में स्वर-साधन की एक प्रणाली तथा इंद्रताल के छह भेदों में से एक 5. छोटी पीपल।

पांची स्त्री. (देश.) 1. रत्नों आदि के जड़ाव का कार्य, पच्चीकारी 2. एक प्रकार की घास।

पांडर पुं. (तत्.) 1. कुंद का वृक्ष और फूल 2. सफेद रंग अथवा सफेद रंग की कोई वस्तु 4. मरुआ 5. पानड़ी 6. एक पक्षी विशेष . महाभारत के अनुसार ऐरावत के कुल में उत्पन्न एक हाथी 8. एक पर्वतविशेष जो मेरु पर्वत के पश्चिम में स्थित कहा गया है।

पांडव वि. (तत्.) पांडु संबंधी, पांडु का पुं. 1. कुंती और माद्री के गर्भ से उत्पन्न राजा पांडु के ये पाँचों पुत्र-युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल और सहदेव 2. प्राचीन काल में पंजाब का एक प्रदेश जो वितस्ता नदी के किनारे था 3. पांडव प्रदेश 4. रहस्य संप्रदाय में पाँचों इंद्रियाँ।

पांडव नगर पुं. (तत्.) हस्तिनापुर।

पांडवाभील पुं. (तत्.) श्रीकृष्ण।

पांडविक पुं. (तत्.) एक तरह की गौरैया।

पांडवीय वि. (तत्.) पांडु के पुत्रों से संबंध रखने वाला।

पांडवेय पुं. (तत्.) 1. पांडव 2. राजा परीक्षित का एक नाम।

पांडित्य पुं. (तत्.) 1. पंडित होने की अवस्था या भाव 2. पंडित या विद्वान को होने वाला ज्ञान, विद्वता।

पांडीस स्त्री. (देश.) तलवार।

पांडु वि. (तत्.) हल्के पीले रंग का पुं. (तत्.) 1. हस्तिनापुर के प्रसिद्ध राजा जिनके युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल तथा सहदेव पाँच पुत्र थे 2. पांडुफली 3. सफेद रंग 4. कुछ लाली लिए पीला रंग।

पांडुआ पुं. (देश.) वह जमीन जिसकी मिट्टी में बालू भी मिला हो, दोमट जमीन।